B.Ed 2nd year

पर्यावरण शिक्षा

2 may 2020
Saturday

पर्यावरण विचार विनिमय कार्यक्रम

Environment Discussion Programme

माध्यमिक विद्यालयों में पर्यावरणीय विचार विनिमय कार्यक्रमों में निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए जा सकते हैं।

(1) कार्यशाला — पर्यावरण से सम्बन्धित पोस्टर बनाना, साज-सज्जा मॉडल बनाना, विद्यालय में उद्यान बनाना आदि।

(2) सेमिनार —> रसायनिक खाद : वरदान या अभिशाप।
⇒ प्रकृति के साथ हमारा सामन्जस्य।
⇒ प्राकृतिक वातावरण और वन्य जीव।
⇒ वनों का विनाश : जीवन का विनाश।
⇒ गर्म होती पृथ्वी को शीतलता की आवश्यकता।
⇒ प्रदूषण नियन्त्रण कानून कितने उपयोगी।
⇒ जल संकट।
⇒ पर्यावरण संरक्षण के उपाय।
⇒ पर्यावरण संरक्षण और हमारे दायित्व।

3- संगोष्ठी — पर्यावरण विषय पर चर्चा करना।

4- अतिथि व्याख्यान — विद्यालय में (पर्यावरण क्षेत्र से सम्बन्धित अतिथि) को बुलाकर पर्यावरण विषय पर बोलना।

(5) व्याख्यान (6) वैचारिक आदान-प्रदान।

प्रदर्शन (Demonstration)

⇒ पर्यावरण से सम्बन्धित फिल्म दिखाना।
⇒ विभिन्न चित्रों को डिस्प्ले करके।
⇒ कार्टून फिल्म दिखाकर।
⇒ पर्यावरण पर बनी डॉक्यूमेन्ट्री फिल्म।
⇒ पर्यावरण पर बनी स्लाइड।
⇒ पर्यावरण पर बनी एनीमेशन फिल्म।
⇒ किसी टॉपिक को पॉवर प्रेजेन्टेशन की सहायता से दिखाना।

Scanned with CamScanner

वृक्षारोपण / पौधारोपण Plantation

⇒ शिक्षक द्वारा विद्यालय तथा आसपास के क्षेत्र में पौधारोपण किया जा सकता है।

⇒ पौधों की देखरेख की जिम्मेदारी छात्रों पर।

पर्यावरण से सम्बन्धित विभिन्न दिवस मनाना

- ओजोन दिवस
- पृथ्वी दिवस
- विश्व पर्यावरण दिवस
- विश्व पर्यटन दिवस

राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS)

⇒ पर्यावरण से सम्बन्धित विभिन्न कार्य छात्रों से कराना।

पर्यावरण सप्ताह मनाना (Celebration of environment week)

⇒ विद्यालय परिसर में पर्यावरण से सम्बन्धित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करना।

विद्यालय में पर्यावरणीय अनुस्थापन कार्यक्रम

⇒ पर्यावरण जागरूकता का विकास।
⇒ आत्म विश्वास बढ़ना।
⇒ पर्यावरण के प्रति प्रेम व निष्ठा भावना
⇒ पर्यावरण से सम्बन्धित जानकारियाँ
⇒ विषयगत कठिनाईयों का समाधान।
⇒ सीखने की क्षमता।
⇒ कर्तव्यों एवं दायित्वों का बोध
⇒ व्यक्तित्व का विकास।

बच्चों में व्यवहार परिवर्तन हेतु पर्यावरण शिक्षा का कार्यक्रम

⇒ बच्चों का संवेदनशील होना।
⇒ सही गलत / अच्छा बुरा आदि का पहचान करना।
⇒ पर्यावरण के प्रति प्रेम व निष्ठा का भाव।
⇒ पेड़-पौधों के प्रति दया तथा प्रेम का भाव।
⇒ सामाजिक, मानसिक, भावात्मक सामंजस्य।
⇒ माध्यमिक स्तर पर सकारात्मक दृष्टिकोण।
⇒ पर्यावरण संरक्षण में शिक्षकों / छात्रों का योगदान।

B.R.C. Deoband -
Asis Pro - Sapna Tyagi

Scanned with CamScanner